Page No 38:

Question 1:

नसीरूद्दीन और जमाल साहब बनठन कर घूमने के लिए निकले।

(क) तुम बनठन कर कहाँ-कहाँ जाते हो?

(ख) तुम किस-किस तरह से बनते-ठनते हो?

Answer:

(क) मैं बनठन कर किसी पार्टी में, विवाह में, रिश्तेदारों के घर और बाज़ार घूमने जाता हूँ।

(ख) मैं स्नान करके नये कपड़े पहनता हूँ। बालों में कंघी करता हूँ। जूते पॉलिश करके ही पहनता हूँ। हाथ में घड़ी बाँधता हूँ। इस प्रकार से मैं बनता-ठनता हूँ।

Question 1:

(क) तीसरे मकान से बाहर निकलकर जमाल साहब ने नसीरूद्दीन से क्या कहा होगा?

(ख) जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने क्यों नहीं जाना चाहते होंगे?

(ग) नसीरूद्दीन अपनी अचकन के बारे में हमेशा क्यों बताते होंगे?

Answer:

(क) जमाल साहब ने अचकन के बारे में कोई भी बात करने के लिए मना किया होगा।
उन्होंने कहा होगा, "तुमने उसका ज़िक्र क्यों किया। तुम्हारी बात से उन्हें पता चल गया होगा कि ज़रूर कोई न कोई राज़ है।"

(ख) जमाल साहब को लगता होगा कि यदि वे मामूली से कपड़ों में घूमेंगे, तो लोग उन्हें गरीब समझेंगे। लोग उनके बारे में यह भी सोचेंगे कि गरीब आदमी है इसलिए इसके पास अच्छे कपड़े नहीं हैं। ऐसा भी हो सकता है कि लोग उन्हें नसीरूद्दीन का नौकर ही न समझ लें। अतः जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने नहीं जाना चाहते होंगे।

(ग) नसीरूद्दीन मज़ाकिया इंसान थे। वे अपने दोस्त से अपनी अचकन के बारे में अकसर मज़ाक करते होगें। वह दोस्त को यह समझाना चाहते होंगे कि आदमी अपनी पोशाक से नहीं, अपने गुणों से पहचाना जाता है।

प्रश्न-1 नसीरूद्दीन किससे मिलकर बहुत खुश हुआ?

उत्तर– नसीरूद्दीन अपने पुराने मित्र जमाल साहब से मिलकर बहुत खुश हुआ।

प्रश्न-2 जमाल साहब ने घूमने जाने से क्यों मना कर दिया?

उत्तर– जमाल साहब ने घूमने से मना कर दिया क्योंकि उनकी पोशाक मामूली-सी थी।

प्रश्न-3 नसीरूद्दीन ने अपने पड़ोसी को जमाल साहब की पोशाक के बारे में क्या बताया?

उत्तर– नसरीरूद्दीन ने अपने पड़ोसी से कहा कि जमाल साहब ने मेरी अचकन पहन रखी है।

प्रश्न-4 नसीरूद्दीन ने हुसैन साहब से क्या कहा?

उत्तर– नसीरूद्दीन ने हुसैन साहब से कहा, "जमाल साहब मेरे पुराने मित्र हैं। उन्होंने जो अचकन पहनी है, वो उनकी अपनी है।"

प्रश्न-5 जमाल साहब ने नसीरूद्दीन को क्या समझाया था?

उत्तर– जमाल साहब ने नसीरूद्दीन को समझाया था कि पोशाक के बारे में कुछ न कहना ही अच्छा है।

Question 1:

इन शब्दों को बोलकर देखो। ये मिलती-जुलती आवाज़ वाले शब्द हैं। ज़रा से अंतर से भी शब्द का अर्थ बदल जाता है।

नीचे इसी तरह के कुछ शब्दों के जोड़े दिए गए हैं। इन सबके अर्थ अलग-अलग हैं। इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो।

घड़ा – गढ़ा	घूम – झूम	राज – राज़
फ़न – फन	सजा – सज़ा	खोल – खौल

Answer:

घड़ा– कुम्हार **घड़ा** बनाता है।

गढ़ा– सुनार ने हार **गढ़ा**।

घूम– बूढ़े पार्क में **घूम** रहे हैं।

झूम– बच्चे पार्क में डान्स करके **झूम** रहे हैं।

राज– भारत में अंग्रेज़ों का **राज** रहा है।

राज़– घर के **राज़** कहीं नहीं बताने चाहिए।

फ़न– जोकर अपने **फ़न** में महिर होता है।

फन– हमले से पूर्व साँप अपना **फन** उठता है।

सजा– दीपावली में सारा शहर **सजा** होता है।

सज़ा– चोरी करने पर **सज़ा** हो जाती है।

खोल– दुकानदार ने दुकान **खोल** दी।

खौल– गुस्से के कारण रमन का खून **खौल** गया।